पाठ
18

जीभ हमारी

आइए सीखें

◆ मीठा बोलना, अच्छा व्यवहार करना ◆ विलोम शब्द ◆ विशेषण ◆ प्रत्यय ◆ शब्द-युग्म।

जीभ हमारी बड़ी निराली,
अद्‌भुत रंग दिखाने वाली।
बातों का यह जादू जाने,
खट्‌टा-मीठा स्वाद बखाने।
अनजाने को मित्र बना दे,
काम कठिन क्षण में करवा दे।
इसको बड़ी हिकमतें आतीं,
पत्थर दिल को भी पिघलाती।
क्षण भर में गुस्सा दिलवा दे,
कहो किसी से भी लड़वा दे।
बड़े-बड़े नाटक करवा दे,
बड़े-बड़े दंगल रचवा दे।
जो वश में इसको कर लेता,
काम चतुरता से है लेता।
वह जग में गौरव पाता है,
सबके ही मन को भाता है।
सत्य और मीठा नित बोलो,
सबके मन में अमृत घोलो।
बन सबके नयनों के तारे,
चमको जैसे चाँद सितारे।

– अवध किशोर सक्सेना

शिक्षण संकेत

◆ कविता का हाव-भाव के साथ वाचन करवाएँ ◆ संयुक्ताक्षरों की समझ विकसित करें।

शब्दार्थ

अद्‌भुत=आश्चर्यजनक **निराली**=अनोखी **हिकमतें**=उपाय, तरीके **चतुरता**=होशियारी **जग**=संसार **भाना**=अच्छा लगना **नित**=प्रतिदिन, हमेशा

अनुभव विस्तार

1. (क) वर्णों को मिलाकर लिखिए—

स् + वा + द	=	स्वाद
ख + ट् + टा	=	-----
गु + स् + सा	=	-----
स + त् + य	=	-----

(ख) सही (✓) या गलत (✘) का चिह्न लगाइए—

- बोली का जादू अद्‌भुत होता है। [ ]
- अच्छा बोलने वाला कभी गौरव नहीं पाता। [ ]
- हमें सदैव सत्य और मीठा बोलना चाहिए। [ ]
- कड़वे बोल सबको अच्छे लगते हैं। [ ]

2. बताइए—

(क) हम खट्टा-मीठा स्वाद किससे जान पाते हैं?

(ख) जीभ को निराली क्यों कहा गया है?

3. लिखिए—

(क) जीभ पत्थर दिल को कैसे पिघला देती है?

(ख) मीठा बोलने से क्या प्रभाव पड़ता है?

(ग) बड़े-बड़े नाटक करवाने से क्या आशय है?

(घ) हमें सबका प्रिय बनने के लिए कैसा व्यवहार करना चाहिए?

भाषा की बात

4. शुद्ध उच्चारण कीजिए—

अद्‌भुत, खट्‌टा, पत्थर, गौरव, अमृत, नयनो, सितारे

5. उपयुक्त शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

(क) बातों से..... कार्य भी क्षण भर में हो जाते हैं। (कठिन/सरल)

(ख) मीठा बोलने वाला सबके मन में..... घोलता है। (विष/अमृत)

(ग) जीभ को बस में करने वाला अपने काम ..... से कर लेता है। (मूर्खता/चतुरता)

6. दिए गए शब्दों के अंत में (ता) जोड़कर नए शब्द बनाइए—

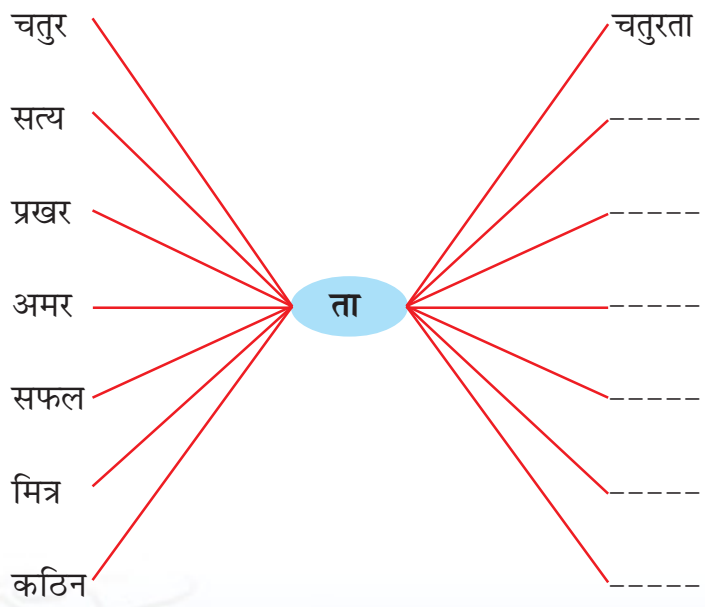

शिक्षण संकेत

शिक्षक स्पष्ट करें कि जो शब्दांश शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन या कोई विशेषता ला दें, उसे प्रत्यय कहते हैं। श्यामपट पर ऐसे शब्द लिखकर अभ्यास करवाएँ।

7. पढ़िए, समझिए और लिखिए, चित्र दिखाते हुए—

- यह आदमी है।
- यह लम्बा आदमी है। (आकार)
- आदमी नीला शर्ट पहने है। (रंग)
- यह बहुत दयालु आदमी है। (गुण)
- इसका अच्छा स्वास्थ्य है। (दशा)
- इसके दो बच्चे हैं। (संख्या)
- इसकी शर्ट में दो मीटर कपड़ा लगता है। (परिमाण)
- यह आदमी खड़ा है। (संकेत)

		उदाहरण
गुण	–	-----
रंग	–	-----
दशा	–	-----
संख्या	–	-----
परिमाण	–	-----
संकेत सूचक शब्द	–	-----

8. पढ़िए, समझिए और लिखिए—

- बच्चा-बच्चा – गांधी जी का नाम भारत का बच्चा-बच्चा जानता है। (पुनरुक्त)
- गाँव-गाँव – ----------
- दाल-रोटी – आजकल अपनी दाल-रोटी की चिंता सबको रहती है। (सजातीय शब्द)
- दूध-दही – ----------
- दीन-दु:खी – हमें दीन-दुखियों की सेवा करनी चाहिए। (समानार्थक शब्द)
- सीधा-सादा – ----------

शिक्षण संकेत

शिक्षक स्पष्ट करें कि जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं। फिर चाहे विशेषता बताने वाला शब्द गुण, रंग, आकार, दशा बतावे या संख्या, परिभाषा अथवा संकेत दें। इस प्रकार गुण वाचक, संख्या वाचक, परिमाण वाचक और संकेत वाचक विशेषण के भेद हैं। शिक्षक समझाएँ कि वाक्य में कभी-कभी युग्म (जोड़े) शब्दों का प्रयोग होता है। ये युग्म शब्द पुनरुक्त (एक ही अर्थ बताने वाले), सजातीय शब्द (एक ही जाति के), समानार्थक शब्द (अर्थ विस्तार के लिए), विलोम शब्द हो सकते हैं।

- माता-पिता – सभी माता-पिता अपने बच्चों को प्यार करते हैं। (विलोम शब्द)
- दिन-रात – ----------
- भाई-बहन – ----------
- ठण्डा-गर्म – ----------
- ऊपर-नीचे – ----------

अब करने की बारी

- मीठा और सत्य बोलने से सम्बन्धित वाक्य विद्यालय की दीवारों पर लिखें।
- मीठा बोलने से आपको कभी कोई लाभ अवश्य हुआ होगा। उसे अपनी कक्षा में सुनाइए।
- यह भी याद कीजिए और कक्षा में सुनाइए—

बोलो-बोलो, मीठा बोलो।
प्यारा बोलो, अच्छा बोलो॥
सीधा बोलो, सच्चा बोलो।
भैया अच्छा-अच्छा बोलो॥
मन की बात ठीक से बोलो।
कानों में मिश्री-सी घोलो॥
आदर की भाषा अपनाओ।
नहीं किसी को दु:ख पहुँचाओ॥
मधुर-मधुर धीरे से बोलो।
लेकिन मत मुँह में ही बोलो॥
बोलो, साफ समझ में आए।
सुनने वाला खुश हो जाए॥